

## १७. प्राचीनन्यायवैशेषिकम्

### आचार्य-परीक्षा प्रथमसेमेस्टर (प्रथमसत्रार्द्धम्)

|  |     |
|--|-----|
| १. प्रथमं प्रश्नपत्रम्                                       | १०० |
| (क) प्रशस्तपादभाष्यम् (आदितः विभागनिरूपणान्तो भागः)          | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्                                    | ३०  |
| २. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्                                     | १०० |
| (क) द्रव्यकिरणावली (आदितः पृथिवीनिरूपणान्तो भागः)            | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्                                    | ३०  |
| ३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्                                       | १०० |
| (क) गुणकिरणावली (आदितः परत्वाऽपरत्वनिरूपणान्तो भागः)         | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्                                    | ३०  |
| ४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्                                      | १०० |
| (क) वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (प्रथमतः तृतीयाऽध्यायपर्यन्तो भागः) | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्                                    | ३०  |

### आचार्य-प्रथमखण्डः (द्वितीयसत्रार्द्धम्)

|   |     |
|---|-----|
| १. प्रथमं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| (क) प्रशस्तपादभाष्यम् (परत्वाऽपरत्वनिरूपणतः समाप्तिपर्यन्तो भागः) | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| २. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| (क) द्रव्यकिरणावली (जलनिरूपणतः मनोनिरूपणान्तो भागः)               | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| ३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| गुणकिरणावली (बुद्धिनिरूपणादारभ्य संस्कारनिरूपणान्तो भागः)         | ७०  |
| आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| ४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्   | १०० |
| (क) वैशेषिकसूत्रोपस्कारः (पञ्चमत अष्टमाध्यायान्तो भागः)           | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |

**आचार्य-परीक्षा**  
**तृतीय सेमेस्टर (तृतीयसत्रार्द्धम्)**  
**प्राचीनन्यायवैशेषिकम्**

|  |            |
|--|------------|
| <b>१. प्रथमं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) न्यायलीलावती (द्रव्यनिरूपणान्तो भागः)  | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>२. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) आत्मतत्त्वविवेकस्य क्षणभङ्गवादान्तो भागः<br>(क्षणभङ्गवादे आदित आरभ्य स्थैर्यसाधकप्रत्यभिज्ञाप्रमाणोपन्यासान्तो भागः) | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) आत्मतत्त्वविवेकस्य क्षणभङ्गवादादग्रिमो भागः (बाह्यार्थभङ्गवादः)  | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) स्वशास्त्रीयो निबन्धः  | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |

**आचार्य-द्वितीयखण्डः (चतुर्थसत्रार्द्धम्)**

|   |            |
|---|------------|
| <b>१. प्रथमं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) न्यायलीलावती (गुणनिरूपणभागः)  | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>२. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) आत्मतत्त्वविवेकस्य क्षणभङ्गवादान्तो भागः<br>(ज्ञानश्रीसम्मत-अपोहवादनिराकरणतः क्षणभङ्गवादान्तो भागः) | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) आत्मतत्त्वविवेकस्य क्षणभङ्गवादादग्रिमो भागः (अनुपलम्भवादः)  | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) स्वशास्त्रीयेतिहासः   | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>५. पञ्चमं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिविषयकवाक्परीक्षा   | १००        |

**आचार्य-परीक्षा**  
**प्रथमसेमेस्टर (प्रथमसत्रार्द्धम्)**

**१८. नव्यन्यायः**

- |  |            |
|--|------------|
| <b>१. प्रथमं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) गादाधर्याः प्रामाण्यवादस्य प्रथमा विप्रतिपत्तिः<br>(आदित अप्रामाण्याग्राहकपदप्रयोजनान्तो भागः) | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>२. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) अनुमितिगादाधरी प्रत्यक्षविषययोः कार्यकारणभावपर्यन्ता<br>(आदित उपाध्यायमतखण्डनान्तो भागः)       | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) केवलान्वयि जागदीशी<br>(आदितः 'व्याप्तिवदखिलमालोकनीयम्' इति दीधितिग्रन्थविवेचनान्तो)            | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) गादाधर्याः सव्यभिचारप्रकरणम्<br>(आदितः पूर्वपक्षीयसंशयजनकताघटितलक्षणान्तो भागः)                | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |

**आचार्य-परीक्षा द्वितीयसेमेस्टर (द्वितीयसत्रार्द्धम्)**

**नव्यन्यायः**

- |  |            |
|--|------------|
| <b>१. प्रथमं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) गादाधर्याः प्रामाण्यवादस्य प्रथमा विप्रतिपत्तिः<br>(अप्रामाण्याग्राहकत्वार्थकविचारतः समाप्तिपर्यन्तो भागः)       | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |
| <b>२. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) अनुमितिगादाधरी प्रत्यक्षविषययोः कार्यकारणभावपर्यन्ता<br>(मिश्रमतादारभ्य स्मृतिसंस्कारयोः कार्यकारणभावान्तो भागः) | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्  | ३०         |

|   |            |
|---|------------|
| <b>३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) केवलान्वयि जागदीशी  | ७०         |
| (न च प्रमेयत्वं प्रमाविषयत्वं तच्च न केवलान्वयि इति मणिग्रन्थतः समाप्तिपर्यन्तो भागः) |            |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) गादाधर्याः सव्यभिचारप्रकरणम्  | ७०         |
| (सव्यभिचारसिद्धान्तलक्षणम्)   |            |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>आचार्य-परीक्षा तृतीयसेमेस्टर (तृतीयसत्रार्द्धम्)</b>                               |            |
| <b>१. प्रथमं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) न्यायदर्शनस्य वात्स्यायनभाष्यम् (प्रथमद्वितीयाऽध्यायौ)                            | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>२. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) शक्तिवादः   |            |
| (सामान्यकाण्डः विशेषकाण्डे च पुष्पवन्तपदशक्तिविचारान्तो भागः)                         | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्</b>   | <b>१००</b> |
| (क) व्युत्पत्तिवादः द्वितीयाकारकान्तः   | ७०         |
| (प्रथमाकारके आदितः भेदान्वयबोधविचारान्तो भागः)  |            |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |
| <b>४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्</b>  | <b>१००</b> |
| (क) स्वशास्त्रीयेतिहासः   | ७०         |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०         |

## आचार्य-परीक्षा चतुर्थ सेमेस्टर (चतुर्थसत्रार्द्धम्)

|   |     |
|---|-----|
| १. प्रथमं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| (क) न्यायदर्शनस्य वात्स्यायनभाष्यम् (तृतीयचतुर्थपञ्चमाध्यायाः)              | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| २. द्वितीयं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| (क) शक्तिवादः (सर्वनामपदशक्तिविचारतः समाप्तिपर्यन्तो भागः)                  | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| ३. तृतीयं प्रश्नपत्रम्  | १०० |
| (क) व्युत्पत्तिवादः (प्रथमाकारके प्रत्ययार्थविचारतः द्वितीयाकारकान्तो भागः) | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| ४. चतुर्थं प्रश्नपत्रम्   | १०० |
| (क) स्वशास्त्रीयो निबन्धः   | ७०  |
| (ख) आन्तरिकं मूल्याङ्कनम्   | ३०  |
| ५. पञ्चमं प्रश्नपत्रम्  |     |
| स्वशास्त्रीयव्युत्पत्तिविषयकवाक्परीक्षा                                     | १०० |